
तीव्र पुरुषार्थ - 13

अव्यक्त बापदादा :-

- » _ » संगठन में रहने के लिए भी सहनशक्ति चाहिए। फाइनल पेपर जो विनाश का है उसमें पास होने के लिए भी सहनशक्ति चाहिये। वह सहनशक्ति की रिजल्ट मैजा-रिटी में बहुत कम है। इसलिए उसको अब बढ़ाओ।
- » _ » सहनशक्ति कैसे आयेगी? जितना-जितना स्नेही बनेंगे। जितना जिसके प्रति स्नेह होता है तो उस स्नेह में शक्ति आ जाती है। स्नेह में सहनशक्ति कैसे आती है, कभी अनुभव किया है?
- » _ » जैसे - देखो, कोई बच्चे की माँ है। बच्चे पर आपदा आती है, माँ का स्नेह है तो स्नेह के कारण उसमें सहनशक्ति आ जाती है। बच्चे के लिए सब कुछ सहन करने लिए तैयार हो जाती है। उस समय स्नेह में कुछ भी अपने तन का वा परिस्थितियों का कुछ फिक्र नहीं रहता है।
- » _ » तो ऐसे ही अगर निरन्तर स्नेह रहे तो उसे स्नेही प्रति सहन करना कोई बड़ी बात नहीं है। स्नेह कम है, इसलिए सहनशक्ति भी कम है।

➤➤ सहनशीलता की परिभाषा ?

- » _ » एकरस स्थिति
- » _ » क्षमा भाव
- » _ » साक्षी भाव
- » _ » बेहद की दृष्टि वृत्ति
- » _ » समाना

➤➤ किस किस को सहन करना चाहिए ?

- » _ » व्यक्तियों को
 - विचार / राय
 - बोल
 - भावनाएं / संस्कार / स्वभाव
 - चलन / गलतियां / कर्म
- » _ » परिस्थितियों को
 - आर्थिक
 - सामाजिक
 - शारीरिक बीमारी
 - प्राकृतिक आपदाएं

➤➤ सहनशील क्यों बनें ?

➤➤ _ ➤➤ भगवान की श्रीमत है

→ मर मर के नहीं खुशी खुशी से सहन करो

➤➤ _ ➤➤ स्थिति को शक्तिशाली / Stable रखने के लिए

➤➤ _ ➤➤ फाइनल पेपर में पास होने के लिए

➤➤ _ ➤➤ अनुभवी बनने के लिए

→ सीखने के लिए और सीखाने के लिए

➤➤ _ ➤➤ सैंपल / आदर्श / उदाहरण / Role Model बनने के लिए

→ सहन किये बिना आप महान नहीं बन सकते

➤➤ _ ➤➤ वायुमंडल शक्तिशाली बनाने के लिए

➤➤ _ ➤➤ जीवन सरल बनाने के लिए

➤➤ सहनशक्ति कैसे बढ़ायें ?

➤➤ _ ➤➤ स्नेह बढ़ायें

→ दूसरी आत्माओं की विशेषताओं को देखो और उनका वर्णन करो

➤➤ _ ➤➤ Acceptance - स्वीकार कीजिये

→ जैसे परमात्मा ने हमें हमारी कमियों के साथ स्वीकार किया है ...

वैसे ही हमें दूसरों को उनकी कमियों के साथ स्वीकार करना है

→ समाने की शक्ति बढ़ाओ

→ Value The Differences

→ Ignore The Differences

➤➤ _ ➤➤ Be Patient

→ दूसरों के तुरंत परिवर्तन की उम्मीद न रखो

➤➤ _ ➤➤ Understanding

→ स्वयं को दूसरों की जगह पर रख कर देखिये

→ याद कीजिये :- “हमारी भी बहुत सी गलतियों को दूसरों ने बहुत सहन किया है”

→ “I Am Always Right” Attitude न रखें

→ Blame Game न खेलें

→ लून पानी न हों

➤➤ _ ➤➤ Checking One’ s Ego

→ चेक कीजिये कहीं ये सेवा की बजाये मेरे अहंकार की लड़ाई तो नहीं है

→ In The War Of Ego, The Winner Is Always Looser

➤➤ _ ➤➤ स्वमान का अभ्यास

→ मैं सहनशीलता का अवतार / देव / देवी हूँ

→ मैं रहमदिल आत्मा हूँ

→ मैं परोपकारी आत्मा हूँ

→ मैं पूर्वज हूँ

→ मैं आत्मा आधारमूरत उद्धारमूरत हूँ

»→ _ »→ ड्रामा का ज्ञान

→ हर आत्मा का अपना अपना पार्ट है... सभी के अपने अपने हिसाब

किताब है

→ यह सब खेल हो रहा है

»→ _ »→ Fogive & Forget

»→ _ »→ शक्तियों का आह्वान करना

